



स्मार्ट सिटी में आईपीडीएस

नई दिल्ली
21 नवंबर, 2015

स्मार्ट सिटी: बिजली परिप्रेक्ष्य



"सुनिश्चित रूप से बिजली की आपूर्ति" भारत सरकार के स्मार्ट सिटी के दिशानिर्देशों के अनुसार "स्मार्ट सिटी - कोर इन्फ्रास्ट्रक्चर" के अभिनिर्धारित स्तम्भों में से एक है।

ऊर्जा प्रबंधन

13 स्मार्ट मीटर और प्रबंधन

14 ऊर्जा के अक्षय स्रोत

15 ऊर्जा दक्षता एवं हरित इमारत



आईपीडीएस - एक स्नैपशॉट



- योजना लागत: 32,612 करोड़ रुपये जिसमें 25,354 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता शामिल है।
- प्रमुख तत्व
 - शहरी क्षेत्रों में उप-पारेषण और वितरण नेटवर्क को मजबूत बनाना;
 - शहरी क्षेत्र में ट्रांसफार्मर/फीडरों/उपभोक्ताओं के वितरण हेतु मीटर लगाना।
 - वितरण कार्यक्षेत्र का आईटी सुदृढीकरण और आर-एपीडीआरपी के तहत कार्यान्वित वितरण नेटवर्क मजबूती प्रदान करना (आईपीडीएस में सम्मिलित हो)।
 - सरकारी भवनों पर सौर पैनलों का प्रावधान।
- 26 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 3,406 नगरों के लिए रु. 24,204 करोड़ की परियोजनाएं (3044 नगरों के लिए रु. 19,072 करोड़ रुपये का अनुमोदन शामिल है)।
- राज्यों द्वारा एनआईटी जारी करने की प्रक्रिया चल रही है।

आरएपीडीआरपी (आईपीडीएस में सम्मिलित) - स्थिति



रु. 39,198 करोड़ की परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं

| | परियोजना की लागत (करोड़ रुपए) | शामिल नगर (संख्या) | नगर 'गो-लाइव' / संपूर्ण | टिप्पणियाँ |
|---------------------|----------------------------------|-----------------------|----------------------------------|---|
| भाग क (आईटी) | 5,427 | 1409 | 1090 | आईटी समर्थित ऊर्जा लेखा/लेखा परीक्षा प्रणाली और > 30,000 जनसंख्या वाले नगरों में कस्टमर केयर सेंटर (विशेष दर्जे वाले राज्यों के लिए 10,000) |
| भाग क (एससीएडीए) | 1,556 | 72 | 22 (केवल नियंत्रण केन्द्र) | जनसंख्या > 4 लाख और वार्षिक ऊर्जा इनपुट > 350 एमयू वाले नगरों में स्काडा। |
| भाग ख | 32,215 | 1258 | 282 | वितरण सुदृढीकरण और > 30,000 से अधिक जनसंख्या वाले नगरों में परियोजनाओं का उन्नयन (विशेष दर्जे वाले राज्यों के लिए 10,000) |
| कुल | 39,198 | | | |

आईपीडीएस का अभिसरण स्मार्ट सिटी दिशा निर्देशों के अनुसार



सुनिश्चित विद्युत आपूर्ति

- उप-पारेषण और वितरण नेटवर्क के इंफ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन: (एरियल बंडल केबलों के साथ बेहतर ऐस्थेटिक्स, भूमिगत केबल)

लगभग 10% स्मार्ट सिटी की ऊर्जा आवश्यकता की आपूर्ति सौर ऊर्जा द्वारा की जाएगी।

- आईपीडीएस में रूफटॉप सोलर का प्रावधान; हाल ही में राज्यों को 7-10% रूफटॉप सोलर की सलाह दी गई है।

स्मार्ट मीटर प्रणाली, मजबूत आईटी कनेक्टिविटी और डिजीटाइज़ेशन

- एमआर फीडरों और डीटी के लिए
- स्काडा नगरों में आईपीडीएस में स्मार्ट मीटर प्रणाली/एमआई
- घाटे में कमी; प्रबंधन की मांग करने की जिम्मेदारी
- आईटी समर्थित; शिकायत निवारण प्रणाली
- बिजली संपत्ति और उपभोक्ताओं की जीआईएस का मानचित्रण
- स्काडा: फीडर स्तर पर दूरस्थ निगरानी; बैंडविड्थ सृजन

ऊर्जा दक्षता स्ट्रीट लाइटिंग

आउटेज प्रबंधन प्रणाली

80% हरित इमारत

आईपीडीएस
में शामिल
नहीं

आईपीडीएस के तहत स्मार्ट सिटी में निवेश का अनुमोदन



31.10.2015 के अनुसार 98 स्मार्ट शहरों में निवेश (रु. करोड़ में)

| | नगरों की संख्या | वर्तमान स्थिति | स्वीकृत राशि | वितरित राशि |
|-------------------------------------|-----------------|--|-----------------------|-------------|
| भाग क आईटी | 82 | 49 (नगर घोषित गो-लाइव) | 2248 | 1191 |
| भाग क एससीएडीए | 46 | 17 (नियंत्रण केंद्र अधिकृत) | 1090 | 328 |
| भाग ख | 64 | 6 (नगर संपूर्ण) | 12906 | 2085 |
| पूर्ण योग (आर-एपीडीआरपी) | | | 16244 | 3604 |
| आईपीडीएस | 76 * | (सर्किलों युक्त अनुमोदित स्मार्ट सिटी) | 9516 | 49 |
| महायोग (आर-एपीडीआरपी समेत आईपीडीएस) | | | 25760 | 3653 |

* आईपीडीएस परियोजनाओं को अंचल के अनुसार मंजूरी दी गई जिसके अंतर्गत स्मार्ट सिटी आती हैं तथा दर्शाई गई परियोजना लागत पूरे अंचल के लिए लागत है।

स्मार्ट सिटी - आईपीडीएस (आरएपीडीआरपी) का प्रयोग करते हुए



- आर-एपीडीआरपी स्मार्ट सिटी/ग्रिडों के विभिन्न निर्माणाधीन ब्लॉक (डेटा सेंटर सहित जीआईएस मानचित्र, स्काडा/डीएमएस, बिलिंग/ सीआरएम प्रणालियां, आईटी नेटवर्क) का निर्माण कार्य चल रहा है।
- आर-एपीडीआरपी की डिजिटल परिसंपत्तियों को न्यूनतम लागत वाले अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों के लिए विस्तार किया जा सकता है।
- वितरण नेटवर्क के सुदृढीकरण और उन्नयन का कार्य आरएपीडीआरपी के तहत किया जा रहा है और स्वीकृति आईपीडीएस के अंतर्गत दी गयी है जिसका उपयोग स्मार्ट सिटी में रूपांतरित करने के लिए किया जाएगा।

स्मार्ट सिटी - आईपीडीएस (आरएपीडीआरपी) का प्रयोग करते हुए



- आरएपीडीआरपी ने आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके उद्यम स्तरीय डेटा केन्द्र के रूप में मूलभूत आधार और डीटी स्तरीय तक का मजबूत संचार नेटवर्क तैयार किया है जो निम्नलिखित स्मार्ट ग्रिड व्यवस्थानों को कार्य करने में सामर्थ्यवान बनाएगा:
 - पीक लोड प्रबंधन;
 - मांग पक्ष प्रबंधन,
 - दिन के समय
 - अक्षय ऊर्जा समन्वय;
 - परिचालन दक्षता में सुधार;
 - संपत्ति की निगरानी,
 - स्मार्ट मीटरिंग और एएमआई
 - सबस्टेशन स्वचालन;
 - उपभोक्ता सेवा में सुधार;
 - आउटेज मैनेजमेंट सिस्टम,
 - ऊर्जा गुणवत्ता प्रबंधन
 - काम बल प्रबंधन।

स्मार्ट सिटीज में 24x7 बिजली की आपूर्ति



- भारत सरकार 2019 तक सभी लोगों को 24x7 बिजली की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- भारत सरकार ने सभी राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के साथ मिलकर राज्य विशेष रोडमैप तैयार करने हेतु संयुक्त पहल की है।
- नई परियोजनाएं प्राप्त करने के उद्देश्य से एक वेब पोर्टल (powerforall.co.in) बनाया गया है और राज्यों के द्वारा प्रगति के बारे में ऑनलाइन अद्यतन किया जाएगा।
- राज्य विशेष रोडमैप के अंतर्गत शामिल हैं:
 - ✓ मांग और आपूर्ति का आकलन
 - ✓ उत्पादन योजना
 - ✓ ट्रांसमिशन योजना
 - ✓ वितरण योजना
 - ✓ अक्षय ऊर्जा योजना
 - ✓ ऊर्जा दक्षता योजना
 - ✓ वित्तीय स्थिरता योजना
 - ✓ क्षमता निर्माण

संरक्षण और ऊर्जा दक्षता



- मानक और लेबल: 19 उपकरण 4 अनिवार्य (ट्यूबलर फ्लोरोसेंट लैंप, रूम एयर कंडीशनर, फ्रॉस्ट फ्री रेफ्रिजरेटर, वितरण ट्रांसफार्मर) के साथ
- ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता: 8 राज्यों को अधिसूचित किया गया है, 15 को अधिसूचना जारी करने की तैयारी की जा रही है। ऊर्जा संरक्षण बहुमंजिला आवासीय भवनों के लिए अभिकल्पित मार्गदर्शिका पहले ही विकसित की जा चुकी है।
- ऊर्जा खपत मानदंड ऊर्जा गहन उद्योगों के लिए
 - ✓ प्रदर्शन, प्राप्ति करने और ट्रेड (पीएटी)
- मैसर्स ईईएसएल द्वारा ऊर्जा की कम खपत वाले एलईडी प्रकाश की व्यवस्था
 - ✓ 114 नगरों की 90 लाख स्ट्रीट लाइटों की प्रतिस्थापना को शामिल किया जाएगा जिसके अंतर्गत वर्ष 2016 तक 240 करोड़ kWh वार्षिक बिजली की बचत की जा सकेगी।
 - ✓ 151 नगरों में 20 करोड़ परंपरागत बल्बों के स्थान पर एलईडी लगाना जिसे वर्ष 2016 तक 633.2 करोड़ kWh की वार्षिक बिजली की बचत की जा सकेगी।

राष्ट्रीय स्मार्ट ग्रिड मिशन (एनएसजीएम)



- राष्ट्रीय स्मार्ट ग्रिड मिशन (एनएसजीएम) का शुभारंभ किया गया।
- एनएसजीएम ने भारत में स्मार्ट ग्रिड कार्यों से संबंधित नीतियों एवं कार्यक्रमों की निगरानी की योजना तैयार की है।
- 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए परिव्यय: 980 करोड़ रुपये में 338 करोड़ के सहयोग बजट से किया जाएगा।
- सात राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, राजस्थान, गोवा, तमिलनाडु और चंडीगढ़) ने एनएसजीएम के तहत डीपीआर प्रस्तुत किया है।



एनएसजीएम - गतिविधियां



- स्मार्ट ग्रिड परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय स्मार्ट ग्रिड मिशन सहायता कार्यक्रमों की निर्देशात्मक सूची:
 - परियोजनाओं के निर्माण में सहायता, वित्तपोषण मॉडल आदि
 - परियोजना लागत की 30% तक की वित्तीय सहायता।
 - प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण
 - प्रौद्योगिकी के चयन के दिशा-निर्देश और सर्वोत्तम कार्यप्रणाली (बेस्ट प्रैक्टिस)
 - उपभोक्ता जागरूकता की पहल की सुविधा प्रदान करना
 - परियोजना मूल्यांकन पद कार्यान्वयन

आगे चलें



- बिजली के वितरण में राज्य सरकारों/डीआईएससीओएम की मुख्य भूमिका है।
- राज्यों और केंद्र का संयुक्त प्रयास "24X7 बिजली की आपूर्ति" है।
- राज्यों द्वारा आईपीडीएस और एनएसजीएम के अंतर्गत परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।
- राज्यों और केंद्र के बीच लागत साझेदारी के आधार पर परियोजनाएं।
- कार्यान्वयन एजेंसियों ने स्मार्ट सिटीज को प्राथमिकता देने की सलाह दी है।

आपका धन्यवाद

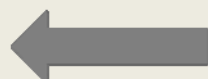
स्मार्ट सिटी में आर-एपीडीआरपी निवेश (2/2)

(राशि रु. करोड़ में)



| | | पार्ट-क आईटी | | | पार्ट-क एससीएडीए | | | पार्ट-ख | | | कुल आर-एपीडीआरपी | |
|-----------------|-----------|--------------|-------------|-------------|------------------|-------------|------------|-----------|--------------|-------------|------------------|-------------|
| | | | | | | | | | | | | |
| मध्य प्रदेश | 7 | 7 | 176 | 118 | 5 | 103 | 31 | 7 | 1162 | 174 | 1441 | 323 |
| महाराष्ट्र | 10 | 8 | 203 | 124 | 5 | 90 | 39 | 6 | 1426 | 254 | 1719 | 417 |
| मणिपुर | 1 | 1 | 25 | 7 | 0 | 0 | 0 | 1 | 181 | 66 | 205 | 73 |
| मेघालय | 1 | 1 | 25 | 8 | 0 | 0 | 0 | 1 | 73 | 22 | 98 | 30 |
| मिजोरम | 1 | 1 | 25 | 8 | 0 | 0 | 0 | 1 | 157 | 47 | 182 | 55 |
| नागालैंड | 1 | 1 | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | 1 |
| ओडिशा | 2 | 1 | 71 | 21 | 1 | 14 | 4 | 1 | 117 | 18 | 202 | 43 |
| पुडुचेरी | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| पंजाब | 3 | 3 | 94 | 51 | 3 | 52 | 16 | 3 | 857 | 129 | 1004 | 196 |
| राजस्थान | 4 | 4 | 136 | 73 | 3 | 94 | 28 | 4 | 470 | 59 | 700 | 160 |
| सिक्किम | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| तमिलनाडु | 12 | 12 | 285 | 85 | 7 | 182 | 55 | 5 | 1648 | 388 | 2115 | 528 |
| तेलंगाना | 2 | 2 | 156 | 93 | 2 | 78 | 23 | 2 | 977 | 147 | 1210 | 263 |
| त्रिपुरा | 1 | 0 | 21 | 6 | 0 | 0 | 0 | 1 | 56 | 35 | 77 | 41 |
| उत्तर प्रदेश ** | 12 | 10 | 343 | 241 | 9 | 219 | 63 | 10 | 3553 | 426 | 4115 | 730 |
| उत्तराखंड | 1 | 1 | 72 | 30 | 1 | 17 | 5 | 1 | 191 | 57 | 280 | 92 |
| पश्चिम बंगाल | 4 | 2 | 4 | 2 | 0 | 0 | 0 | 2 | 40 | 6 | 44 | 8 |
| कुल | 98 | 82 | 2248 | 1191 | 46 | 1090 | 328 | 64 | 12906 | 2084 | 16244 | 3604 |

नोट: आईटी सक्रियकरण के लिए भाग-क (आईटी) और स्काडा के अंतर्गत और भाग-ख के अंतर्गत वितरण मजबूत बनाने के लिए अनुज्ञायें।



स्मार्ट सिटी में आईपीडीएस निवेश (1/2)

(राशि रु. करोड़ में)



| राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम | स्मार्ट सिटी की संख्या | आईपीडीएस के अंतर्गत करेस्पॉन्डिंग सर्कल्स | अनुमोदित परियोजना लागत |
|--------------------------------|------------------------|---|------------------------|
| अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 1 | 0 | 0 |
| आंध्र प्रदेश | 3 | 3 | 221 |
| अरुणाचल प्रदेश | 1 | 1 | 66 |
| असम | 1 | 1 | 103 |
| बिहार | 3 | 3 | 271 |
| चंडीगढ़ | 1 | 0 | 0 |
| छत्तीसगढ़ | 2 | 2 | 165 |
| दमन और दीव | 1 | 0 | 0 |
| दादरा एवं नगर हवेली | 1 | 0 | 0 |
| दिल्ली | 1 | 1 | 318 |
| गोवा | 1 | 1 | 32 |
| गुजरात | 6 | 5 | 582 |
| हरियाणा | 2 | 1 | 108 |
| हिमाचल प्रदेश | 1 | 1 | 14 |
| झारखंड | 1 | 1 | 106 |
| कर्नाटक | 6 | 6 | 339 |
| केरल | 1 | 0 | 0 |
| लक्षद्वीप | 1 | 0 | 0 |

स्मार्ट सिटी में आईपीडीएस निवेश (2/2)

(राशि रु. करोड़ में)



| राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम | स्मार्ट सिटी की संख्या | आईपीडीएस के अंतर्गत करेस्पॉन्डिंग सर्कल्स | अनुमोदित परियोजना लागत |
|--------------------------------|------------------------|---|------------------------|
| मध्य प्रदेश | 7 | 7 | 763 |
| महाराष्ट्र | 10 | 10 | 1143 |
| मणिपुर | 1 | 1 | 66 |
| मेघालय | 1 | 0 | 0 |
| मिजोरम | 1 | 0 | 0 |
| नागालैंड | 1 | 1 | 44 |
| ओडिशा | 2 | 0 | 0 |
| पुडुचेरी | 1 | 1 | 22 |
| पंजाब | 3 | 1 | 54 |
| राजस्थान | 4 | 4 | 491 |
| सिक्किम | 1 | 0 | 0 |
| तमिलनाडु | 12 | 11 | 684 |
| तेलंगाना | 2 | 2 | 277 |
| त्रिपुरा | 1 | 1 | 4 |
| उत्तर प्रदेश ** | 12 | 7 | 3000 |
| उत्तराखंड | 1 | 1 | 31 |
| पश्चिम बंगाल | 4 | 3 | 611 |
| कुल | 98 | 76 | 9516 |

नोट: स्मार्ट सिटी के करेस्पॉन्डिंग सर्कल्स की लागत संकलित कर रहे हैं

एनएसजीएम के तहत डीपीआर की स्थिति



| क्र.सं. | परियोजना क्षेत्र | उपभोक्ताओं की सं. | स्थिति |
|---------|-------------------------------|--------------------------|---|
| 1. | वाराणसी पीयूवीवीएनएल | 9,020 (24.48 करोड़) | पावरग्रिड द्वारा 12.10.15 को यूटिलिटी को ड्राफ्ट डीपीआर प्रस्तुत (एएमआई, पीएलएम, डीटीएमयू, पीक्यूएम, ईचार्जिंग इन्फ्रा) |
| 2. | चंडीगढ़ सीईडी | 7,600 (24 करोड़) | पावरग्रिड द्वारा 16.10.15 को यूटिलिटी को ड्राफ्ट डीपीआर प्रस्तुत (एएमआई, एसएस, रूफ टॉप सोलर की एकता) |
| 3. | कोलकाता डब्ल्यूबीएसईडीसीएल | 24,262 (34.97 करोड़) | पावरग्रिड द्वारा 17.10.15 को यूटिलिटी को ड्राफ्ट डीपीआर प्रस्तुत (एएमआई, डीटीएमयू रूफ टॉप सोलर समन्वय) |
| 4. | गुडगांव डीएचबीवीएन | 29,144 (52.41 करोड़) | पावरग्रिड द्वारा 15.10.15 को यूटिलिटी को ड्राफ्ट डीपीआर प्रस्तुत (एएमआई, डीटीएमयू, पीएलएम, पीक्यूएम) |
| 5. | अजमेर एवीवीएनएल | 22,546 (45.51 करोड़) | पावर ग्रिड द्वारा 27.10.15 को यूटिलिटी को ड्राफ्ट डीपीआर प्रस्तुत (एएमआई, डीटीएमयू, ओएमएस, पीएलएम) |
| 6. | गोवा जीईडी | 22,974 (141.59 करोड़) | आईएसजीएफ द्वारा यूटिलिटी को ड्राफ्ट डीपीआर प्रस्तुत (एएमआई, पीएलएम, डीटीएमयू, स्काडा/डीएमएस, डीए, सबस्टेशन आधुनिकीकरण, ईआरपी आदि) |
| 7. | तिरुवन्नामलाई टीएनईबी | 29,487 (117.55 करोड़) | आईएसजीएफ द्वारा यूटिलिटी को ड्राफ्ट डीपीआर प्रस्तुत (एएमआई, पीएलएम, एमजी, आरई समन्वय, ऊर्जा भंडारण आदि) |

गो लाइव नगरों के लाभ एवं सेवा सुधार

- गो लाइव नगरों में नुकसान की कमी
 - एटी एंड सी क्षतियों को कम करने के लिए आर-एपीडीआरपी भाग-क(आईटी) के तहत सृजित निदानकारी उपकरण का उपयोग कर यूटिलिटीज ने प्रशासनिक हस्तक्षेप शुरू किया है।
 - 1090 नगरों में से 630 को गो लाइव के लिए एटी एंड सी क्षति सुधार के लिए घोषित किया गया है।
 - गो लाइव नगरों में उच्च क्षति वाले फीडरों में यूटिलिटीज के द्वारा बिलिंग कार्यदक्षता की निगरानी की जा रही है।
 - बिलिंग कार्यदक्षता सुधार जिनकी उच्च क्षति फीडरों में रिपोर्ट की गई है: 676/1465
- गो लाइव नगरों में उपभोक्ता की सुविधा
 - अधिकांश नए कनेक्शन आईटी प्रणाली के तहत जारी किए जा रहे हैं।
 - एसईआरसी टाइमलाइनों के अनुसार जारी किए गए नए कनेक्शन: 75%
 - आईटी समर्थित ग्राहक सेवा केन्द्रों के माध्यम से एसईआरसी टाइमलाइन्स में 67% ग्राहक शिकायतों का निवारण किया जा रहा है।
 - वेब पोर्टल के माध्यम से ई-भुगतान की सुविधा में वृद्धि, क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भुगतान इत्यादि।

अनुमानित लागत

❖ अनुमान

- ❖ जनसंख्या ~ 10 लाख
- ❖ उपभोक्ता आधार ~ 2 लाख (एकल चरण -60% और तीन चरण-40%)
- ❖ एक स्मार्ट सिटी (~382 करोड़) के लिए संभावित लागत - ग्रीनफील्ड
 - ❖ एमडीएस, एमडीएम व पीएलएम सहित एएमआई प्रणाली - 161 करोड़
 - ❖ जीआईएस मानचित्र - 10 करोड़
 - ❖ स्काडा/डीएमएस - 4.5 करोड़
 - ❖ आउटेज प्रबंधन प्रणाली - 129 करोड़
 - ❖ नियंत्रण केंद्र एचडब्ल्यू एवं एसडब्ल्यू - 10 करोड़
 - ❖ संचार अवसंरचना - 28 करोड़
 - ❖ स्ट्रीट लाइट ऑटोमेशन प्रणाली - 40 करोड़
- ❖ परियोजना के पूरा होने का अनुमान स्वीकृति से 3 वर्ष तक है।

अनुमानित लागत



- ❖ एक स्मार्ट सिटी (~334 करोड़) के लिए संभावित लागत - ब्राउनफील्ड
(आरएपीडीआरपी के तहत आईटी तथा एससीएडीए कार्यान्वित)
- ❖ पीएलएएम सहित एएमआई प्रणाली - 155 करोड़
- ❖ आउटेज प्रबंधन प्रणाली - 103 करोड़
- ❖ नियंत्रण केंद्र एचडब्ल्यू एवं एसडब्ल्यू - 5 करोड़
- ❖ संचार अवसंरचना - 28 करोड़
- ❖ स्ट्रीट लाइट ऑटोमेशन प्रणाली - 40 करोड़
- ❖ एकीकृत लागत - 3 करोड़
- ❖ परियोजना के पूरा होने का अनुमान स्वीकृति से 30 महीने तक है।

अनुमानित लागत



- ❖ एक स्मार्ट सिटी (~369 करोड़) के लिए संभावित लागत - ब्राउनफील्ड
(आरएपीडीआरपी के तहत आईटी कार्यान्वित)
 - ❖ पीएलएम सहित एएमआई प्रणाली - 155 करोड़
 - ❖ आउटेज प्रबंधन प्रणाली - 103 करोड़
 - ❖ नियंत्रण केंद्र एचडब्ल्यू एवं एसडब्ल्यू - 5 करोड़
 - ❖ संचार अवसंरचना - 28 करोड़
 - ❖ स्ट्रीट लाइट ऑटोमेशन प्रणाली - 40 करोड़
 - ❖ एकीकृत लागत - 3 करोड़
- ❖ परियोजना के पूरा होने का अनुमान स्वीकृति से 30 महीने तक है।